स्लॉट बुक कराने के लिए जूझ रहे किसान, जिम्मेदार बेपरवाह

गेहूं खरीदी किसानों के लिए राहत नहीं बल्कि बन गई मुसीबत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी इस बार किसानों के लिए राहत नहीं, बल्कि बड़ी मुसीबत बन गई है। तय तारीख 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी शुरू होना थी, लेकिन अब तक पटी, बुजुर्ग, सिलधरा, अर्चना वेयर हाउस, देवेन्द्रनगर सहित अन्य केंद्रों में खरीदी शुरू नहीं हो पाई है। दूसरी ओर स्लॉट बुकिंग व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

किसान दिन-रात पोर्टल पर कोशिश कर रहे हैं, लेकिन न स्लॉट मिल रहे हैं, और न ही कोई समाधान नजर आ रहा है। किसानों का कहना है कि दिनभर सर्वर डाउन रहता है। जैसे-तैसे रात में पोर्टल खुलता भी है तो भारी लोड के कारण सिस्टम हैंग हो जाता है। ऐसे में किसान मोबाइल और कंप्यूटर लेकर पूरी रात बैठे रहते हैं, लेकिन सुबह तक हाथ निराशा ही लगती है।

किसानों ने बताया कि दिन में पोर्टल लगभग बंद जैसा रहता है। रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक कुछ समय के लिए सर्वर चलता है, लेकिन तब भी स्लॉट बुक नहीं हो पाते। एक साथ प्रयास करते हैं, जिससे प्रक्रिया बीच में ही अटक जाती है। कई किसानों ने आरोप लगाया कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण पोर्टल पर अनवेरिफाइड का मैसेज आ रहा है। जिन किसानों की गिरदावरी हो चुकी है, उनका रिकॉर्ड भी सत्यापन नहीं दिख रहा।

खलिहानों में पड़ा गेहूं, बढ़ी चिंता - किसानों ने कहा कि थ्रेसिंग के बाद अनाज घरों और खलिहानों में रखी है, लेकिन स्लॉट नहीं मिलने से वे समर्थन मूल्य पर गेहूं नहीं बेच पा रहे हैं। इससे आर्थिक संकट गहराने लगा है। किसानों ने मांग की है कि सर्वर क्षमता बढ़ाई जाए, तकनीकी खामियां दूर की जाएं और स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया सरल बनाई जाए, ताकि अन्नदाता को राहत मिल सके।

समितियों में 35 खरीदी केंद्र

जिले में सहकारी समितियों के कुल 35 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। पन्ना तहसील में 5, देवेन्द्रनगर में 3, गुनौर में 5, अमानगंज में 7, पवई में 2, सिमरिया में 2, शाहनगर में 1, रैपुरा में 3 तथा अजयगढ़ तहसील में 7 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। शासन द्वारा गेहूं उपार्जन की अवधि आगामी 12 मई तक निर्धारित की गई है।

राजस्व विभाग पर लापरवाही का आरोप

किसानों का कहना है कि गिरदावरी एप में फसलों का सही अपडेट नहीं किया गया है। कई किसानों की जमीन और फसल का रिकॉर्ड पोर्टल पर अधूरा है, जिससे उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। गांवों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर होने से समस्या और बढ़ गई है। कई किसानों को स्लॉट बुक कराने साइबर कैफे जाना पड़ रहा है। जहां सर्वर डाउन रहने से स्लॉट बुकिंग नहीं हो रही है और इससे उनका समय बर्बाद होता है और अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

कलेक्टर व प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा गत 14 मार्च को उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत संपन्न मूल्यांकन परीक्षा में पन्ना जिले को निर्धारित लक्ष्य से अधिक परीक्षार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित कराने में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया है।

गुरूवार को कलेक्टर कक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी एवं जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी रमाकांत खरे द्वारा कलेक्टर ऊषा परमार से भेंट कर स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र सौंपा गया।

जिले में इस मूल्यांकन परीक्षा में 45 हजार व्यक्तियों को शामिल कराने का लक्ष्य था।

इसके विरूद्ध 46 हजार 63 व्यक्ति परीक्षा में शामिल हुए और 102 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पन्ना जिले को मध्यप्रदेश में चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। विगत 17 अप्रैल को राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल में संचालक हरजिंदर सिंह द्वारा जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी एवं जिला सह समन्वयक को सम्मान कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया था।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में योग एवं स्वास्थ्य जागरुकता पर व्याख्यान आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत तृतीय दिवस योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला आयुष अधिकारी डॉ श्रीमती ऋतु द्विवेदी द्वारा सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया एवं कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत अपने उद्बोधन में उन्होने विद्यार्थियों को आयुर्वेद एवं यूनानी जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं बताया कि इन पद्धतियों में प्राकृतिक तरीके से रोगों की रोकथाम एवं उपचार की व्यापक संभावनाएं निहित हैं। श्रीमती द्विवेदी ने अपने व्याख्यान में स्वच्छता के महत्व पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संतुलित एवं अनुशासित दिनचर्या तथा ऋतु के अनुसार जीवनशैली अपनाने की सलाह दी, जिससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बना रह सके।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नारी सशक्तिकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक रहने एवं समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

नरवाई जलाने से आगजनी की घटनाओं में हुई बढ़ोत्तरी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। पन्ना जिले में प्रतिबंध को बावजूद राजस्व अमले की लापरवाही के चलते नरवाई में आग लगाने की घटनाओं में बढोत्तरी हुई है जिस कारण लगभग एक सप्ताह के दौरान फसलों एवं रिहायशी इलाकों में घरों को भी आगजनी के कारण क्षति पहुंची है। उदाहरण के लिये पन्ना तहसील अन्तर्गत बरखैल गांव के खेतों की नरवाई में आग देखते ही देखते पड़ोसी गांवों हटूपुर और बड़गड़ी तक पहुंच गई।

तेज हवाओं ने आग में घी का काम किया, जिससे लपटें तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने लगीं। वहीं किसान प्रभुदयाल ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि दूर-दूर तक केवल धुआं और लपटें ही दिखाई दे रही हैं। इस घटना से किसानों की मेहनत और चारा जलकर खाक हो गया है। प्रशासनिक मदद पहुंचने से पहले ही स्थानीय निवासी अपनी जान जोखिम में डालकर आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीण रूपेश जैन ने बताया कि लोग बाल्टियों से पानी डालकर और मिट्टी फेंककर आग की दिशा मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

रिहायशी इलाकों पर मंडरा रहा है खतरा - फिलहाल दमकल की कई गाड़ियां मौके पर तैनात रही और आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती आग को गांवों के घरों तक पहुंचने से रोकने की है। गेहूं की कटाई के बाद नरवाई जलाना जिले में एक बड़ी समस्या बन गया है। शासन के प्रतिबंध के बावजूद ऐसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। यदि जल्द ही आग पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है।इसी प्रकार ग्राम पंचायत गंज में पिछले सात दिनों के भीतर 200 एकड़ से अधिक जमीन की पराली जलकर राख हो चुकी है। जिससे न केवल पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि पशुओं के लिए चारे (भूसा) का संकट भी खड़ा हो गया है। इस पूरी घटना ने जिला प्रशासन के उन निर्देशों की हवा निकाल दी है, जिसमें किसानों को पराली न जलाने के फायदे और नुकसान समझाने की बात कही गई थी।

प्रशासनिक अधिकारियों ने नहीं उठाया फोन

इस गंभीर संकट की घड़ी में जब अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो निराशा हाथ लगी। नायब तहसीलदार शशिकांत दुबे और पन्ना एसडीएम संजय नागवंशी से उनके मोबाइल पर संपर्क साधा गया, लेकिन दोनों ने ही फोन रिसीव नहीं किया। अधिकारियों की इस बेरुखी से जनता में भारी नाराजगी है। जब गांवों में आग तांडव मचा रही है, ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों का फोन न उठाना प्रशासन की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

बीमारी से परेशान 55 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर जीवनलीला की समाप्त

मोबाइल टॉवर से लटक कर की आत्महत्या

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। पन्ना जिले के शाहनगर कस्बे में बोरी रोड स्थित मोबाइल टावर पर 55 वर्षीय नत्थू प्रजापति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से मानसिक बीमारी से परेशान था जिसके चलते उसने आत्महत्या कर ली।

हालांकि घटना के बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार नत्थू प्रजापति रोज की तरह सुबह घर से शौच के लिए निकला था। लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान पास गुजर रहे ग्रामीणों की नजर बोरी रोड स्थित मोबाइल टावर पर लटके शव पर पड़ी, जिसे देखकर शाहनगर थाना पुलिस सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया एवं शव को मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिले की सभी शराब दुकानों का निष्पादन हुआ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। मध्य प्रदेश की नई आबकारी नीति के अंतर्गत पन्ना जिले में आबकारी आयुक्त के निर्देशों के अनुक्रम में पन्ना कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार की अध्यक्षता वाली जिला निष्पादन समिति जिसमें पदेन सचिव जिला आबकारी अधिकारी मुकेश मौर्य, सदस्य पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू, के मार्गदर्शन में शराब दुकानों के ई टेंडर कम ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से निष्पादन की प्रक्रिया पूर्णत: सम्पन्न हुई।

सामान्यत: प्रतिवर्ष शराब दुकानों के टेंडर 31 मार्च तक सम्पन्न हो जाते थे, परन्तु इस वर्ष लगभग 24 चरणों की लंबी कवायद के बाद अब जाकर सभी 39 शराब दुकानों का निष्पादन हो पाया है। जिला आबकारी अधिकारी मुकेश कुमार मौर्य ने बताया कि गत वर्ष पन्ना जिले के सभी 39 दुकानों का वार्षिक मूल्य 177 करोड़ रुपए था, उसके विरुद्ध इस वर्ष 9.22 प्रतिशत वृद्धि कर 193 करोड़ 31 लाख 16 हजार 507 रुपए में निष्पादन हुआ। लगभग 16 करोड़ 31 लाख 16 हजार 507 रुपए की वृद्धि हुई। गत वर्ष पूरे जिले का एक समूह था, परन्तु नवीन आबकारी नीति के अनुसार इस वर्ष शुरुआत चरणों में 10 शराब दुकान समूह बनाए गए थे। परन्तु कुछ चरणों में टेंडर न आने के कारण शासन द्वारा समूहों में दुकान संख्या में कमी और वृद्धि की गई। इसके बाद एकल दुकान समूह में शराब दुकानें निष्पादन के लिए रखी गई। अत: जिले में 21 समूह हो गए।

एकल दुकान समूह होने से कम मूल्य की शराब दुकानों का निष्पादन हो गया परंतु अधिक मूल्य की शराब दुकानें शेष रह गई। जिनमें शराब दुकान देवेंद्रनगर, गुनौर, सलेहा, कृष्णगढ़, अजयगढ़, पवई और मोहन्द्रा शेष रह गई थी। जब शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से कम मूल्य पर ई टेंडर स्वीकार किए जाने पर शेष शराब दुकानों का निष्पादन हो पाया। इसमें बृजपुर समूह, अमानगंज समूह, शाहनगर समूह, अमझिरिया समूह, रैपुरा समूह, बराछ दुकान, सुंदरा समूह, सिंहपुर दुकान, कृष्णगढ़ दुकान के लायसेंसी आशीष शिवहरे है। आर आर एसोसिएट (अनिल राजपूत) धरमपुर समूह, सिद्धिविनायक इंफ्रास्ट्रक्चर (अंशुल गुप्ता) बरियारपुर समूह, आकाश शिवहरे मुड़वारी और सुपंथा दुकान, महेंद्र राय पवई और पटना तमोली, श्रीमती सुनीता राय देवेंद्र नगर और गुनौर दुकान, धर्मेंद्र सिंह बुंदेला सलेहा दुकान, करुणाकर रावत हरदुआ पटेल और मोहन्द्रा के लायसेंसी है।

इस निष्पादन प्रक्रिया में सहायक जिला आबकारी अधिकारी शंभू दयाल सिंह जाटव, आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पाण्डेय, हरीश पाण्डेय, विक्रांत जैन, ठेका शाखा प्रभारी अरुण चौरसिया, ऋषिकांत सोनी के साथ अन्य आबकारी स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

सलेहा में बिजली चोरी के 10 मामले पकड़े गए, 1.10 लाख का हुआ जुर्माना

नवभारत न्यूज

सलेहा 23 अप्रैल। पन्ना जिले के सलेहा क्षेत्र में विद्युत विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी पर करारा प्रहार किया है। सघन जांच अभियान के दौरान 10 मामलों में अवैध विद्युत उपयोग और बिजली चोरी उजागर हुई है, जिससे विभाग में हड़कंप मच गया है।

विद्युत वितरण कंपनी के प्रवर्तन दल द्वारा चलाए गए इस अभियान में विभिन्न कनेक्शनों की बारीकी से जांच की गई, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आईं। विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी मामलों में वैधानिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान बिजली चोरी के 10 प्रकरण दर्ज करीब 1.10 लाख का राजस्व निर्धारण किया गया। दोषियों पर जुर्माना अधिरोपित के साथ वसूली प्रक्रिया जारी कर कानून का सख्त संदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी एक गंभीर अपराध है। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत 3 साल तक की सजा हो सकती है चोरी की गई बिजली पर भारी आर्थिक दंड लगाया जाता है। दोबारा पकड़े जाने पर कनेक्शन काटने सहित कड़ी कार्रवाई तय वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में अभियान यह पूरी कार्रवाई मुख्य अभियंता (प्रवर्तन) शिशिर श्रीवास्तव के निर्देशन और अधीक्षण अभियंता अशोक निकोशे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

पृथ्वी दिवस पर जागरुकता रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों आयोजित

पर्यावरण संरक्षण तथा वनों को आग से बचाने के लिए जागरूक किया गया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। दिनांक 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत ग्राम मोहन्द्रा में जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान ग्रामीणों के बीच नारे लगाते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण तथा वनों को आग से बचाने के लिए जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

इसी क्रम में ग्रीन इंडिया मिशन के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण केंद्र में गीत एवं कहानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने वन एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रस्तुतियाँ दीं।

वनरक्षक जगदीश प्रसाद अहिरवार द्वारा वन में नहीं कोई आग लगाना, आग में है सब कुछ जल जाना जैसे जागरूकता गीत के माध्यम से संदेश दिया गया। कार्यक्रम में परिक्षेत्र सहायक देवी सिंह यादव, प्रकाश कुमार गुप्ता, बीट गार्ड रामदयाल सूत्रकार, सभी ने पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण तथा वनाग्नि से बचाव हेतु सतत जनभागीदारी की अपील की।

पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए ट्रैक्टर को वन अमले से छुड़ा ले गया ट्रैक्टर

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 23 अप्रैल। वनमंडल उत्तर पन्ना, वन परिक्षेत्र धरमपुर की बीट पिष्टा अंतर्गत दिनांक 23 अप्रेल को सुबह लगभग 11 बजे परिक्षेत्र सहायक देवगांव महीप कुमार रावत कार्यवाहक वनपाल, बीट गार्ड पिष्टा रामखगेश पटेल वनरक्षक एवं सुरक्षा श्रमिकों के साथ वनगश्त कर रहे थे।

तभी करतल रोड छटवांमील चौराहे से एक ट्रैक्टर ट्राली पत्थर लिये हुये मिला जिसको स्टाफद्वारा रोकने का प्रयास किया गया लेकिन ट्रैक्टर तेज स्पीड से आगे निकल गया, स्टाफद्वारा पीछा करते हुये बीट सिल्हाई के आगे ट्रैक्टर को रूकवाया गया। पत्थर परिवहन के सबंध में वाहन चालक से पूंछतांछ की गई तो उसने बताया कि पत्थर परिवहन से संबधित कोई भी दस्तावेज मेरे पास नहीं हैं। मैं यह पत्थर पिष्टा के जंगल से लखन लाल पाण्डेय उर्फछोटा मुन्ना के कहने से लाया हूं। वन स्टाफद्वारा कार्यवाही की जा रही थी कार्यवाही के दौरान सोलू पाण्डेय पिता लखन लाल पाण्डेय उर्फछोटा मुन्ना निवासी पिष्टा बुलेट मोटरसाईकिल से आया और आते ही परिक्षेत्र सहायक देवगांव महीप कुमार रावत कार्यवाहक वनपाल और बीट गार्ड पिष्टा रामखगेश पटेल वनरक्षक को अभद्र गालियां देने लगा तभी मौके पर लखन लाल पाण्डेय उर्फछोटा मुन्ना निवासी पिष्टा आ गया फिर दोनो के द्वारा परिक्षेत्र सहायक देवगांव की जेब से ट्रैक्टर की चाबी छीन कर ले गये।

दक्षिण पन्ना में झिरिया पुनर्जीवन से मजबूत हो रही वन्यजीवों की जल सुरक्षा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत दक्षिण पन्ना वनमण्डल में प्राकृतिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं संरक्षण हेतु व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। गर्मी के मौसम में वन्यजीवों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न रेंजों में झिरिया, नालों एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, मरम्मत एवं सुधार कार्य प्राथमिकता से संचालित किए जा रहे हैं।

कल्दा रेंज के मेंहगवा बीट में वनरक्षक संदीप बघेल द्वारा जुन्ना, वेल घाट, तवहाई सहित अन्य झिरियाओं की मरम्मत, सुधार एवं सफाई का कार्य संपादित किया गया है। इसी प्रकार गुर्जी बीट में पोंगी झिरिया का कार्य वनरक्षक बालकृष्ण शुक्ला द्वारा तथा धरमपुरा बीट में झिरिया सुधार कार्य वनरक्षक रामबाबू व्यास द्वारा संपन्न कराया गया। अमरई बीट में झापर नाला की सफाई का कार्य वनरक्षक संतोष शर्मा द्वारा कराया गया, जिससे जल संचयन क्षमता में वृद्धि हुई है। वन परिक्षेत्र शाहनगर के ताला बीट में स्थित बरसझिया नाला झिरिया एवं माहिया कुंड में प्राकृतिक जल स्त्रोतों की व्यापक साफ-सफाई कराई गई। इसी क्रम में मोहन्द्रा रेंज के देवरी बीट में वनरक्षक सचेंद्र मोहन द्वारा झिरिया पुनर्जीवन कार्य किया गया है। इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से दक्षिण पन्ना वनमण्डल में प्राकृतिक जल स्त्रोतों को सुदृढ़ कर वन्यजीवों के लिए सुरक्षित एवं निरंतर पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

प्रशिक्षण से अनुपस्थिति पर सहायक ग्रेड 3 अरविंद निलंबित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ऊषा परमार द्वारा जनगणना 2027 के द्वितीय बैच के प्रगणक प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड 3 अरविंद रैकवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की कार्यवाही की गई है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नगरीय चार्ज जनगणना अधिकारी नगर पालिका पन्ना द्वारा अरविंद रैकवार को प्रगणक नियुक्त किया गया था। प्रगणक द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में 21 अप्रैल से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के प्रथम दिवस उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई। बुधवार को उनके कार्यालय में मोबाइल के माध्यम से इसकी सूचना दी गई। इस पर उप संचालक कृषि द्वारा जनगणना प्रशिक्षण में उपस्थित होने के लिए संबंधित को मौखिक निर्देश दिए गए। इसके उपरांत अरविंद रैकवार दोपहर 2:40 बजे प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित होकर एवं हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद प्रशिक्षण हाल से बाहर चले गए। प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा लोकसेवक का उक्त कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 में निहित प्रावधानों के प्रतिकूल होने तथा म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 व जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के तहत दण्डनीय होने पर निलंबन की कार्यवाही की है। निलंबन अवधि में निलंबित कर्मचारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी।

साइबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी जांच के लिए हुई एक दिवसीय कार्यशाला

जिले के समस्त थाना प्रभारियों सहित 50 से अधिक विवेचकों को प्रशिक्षित किया गया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 अप्रैल। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में आज पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल, पन्ना में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी विवेचना के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के समस्त थाना प्रभारियों सहित 50 से अधिक विवेचकों को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे सोशल मीडिया दुरुपयोग, ऑनलाइन ठगी, बैंक फ्रॉड, डिजिटल पहचान चोरी, फिशिंग आदि की त्वरित एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित करना तथा विवेचकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना रहा। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में साइबर हेल्पडेस्क की स्थापना की जा चुकी है, जिससे आमजन की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। उक्त प्रशिक्षण में जिला साइबर टास्क फोर्स के कर्मचारी आशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र सिंह आर. राहुल पाण्डेय, नितिन नवराज, द्वारा अधिकारियों को साइबर अपराधों की तकनीकी जांच, डिजिटल साक्ष्य के

संकलन, संरक्षण एवं विश्लेषण की विधि तथा आवश्यकतानुसार उच्च स्तरीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में विभिन्न महत्वपूर्ण पोर्टलों के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया, जिनमें मोबाइल ट्रेसिंग हेतु सी.ई.आई.आर. पोर्टल, साइबर ठगी से संबंधित शिकायतों के लिए एन.सी.आर.पी पोर्टल तथा अन्य राज्यों से समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई हेतु सी.आई.ए.आर. पोर्टल शामिल हैं।

एक लाख से अधिक की धोखाधड़ी पर ऑनलाइन शिकायत

इन पोर्टलों के माध्यम से विवेचक अब साइबर अपराधों की त्वरित जांच एवं धनराशि फ्रीज/रिकवरी जैसी कार्यवाही समयबद्ध रूप से कर सकेंगे। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों को यह भी अवगत कराया गया कि मिनिस्ट्री ऑफहोम अफेयर एवं एनसीपीआर पर 01 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी से संबंधित शिकायतों में ई-एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान लागू किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत यदि पीड़ित द्वारा पोर्टल पर 1 लाख रुपये से अधिक की धनराशि की ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की जाती है, तो संबंधित प्रकरण स्वत: संबंधित राज्य/जिला पुलिस को अग्रेषित होता है तथा त्वरित विधिक कार्यवाही प्रारंभ की जा सकती है। अधिकारियों को ई-एफआईआर की प्रक्रिया, शिकायत के सत्यापन, प्रारंभिक जांच, संबंधित बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराने, डिजिटल साक्ष्य संकलन तथा समयबद्ध विवेचना के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।